नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिए, बिबिए र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि।

नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक २९९ वि.सं. २०८२ जेठ ०६ गते मंगर थारु सम्वत (२६४८) [Tuesday 20 May 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

जिना आधार चाहल: द्वन्द्वपीडित

द्वन्द्वपीडितके लाग बजेट विनियोजन कैबी: नगर उपप्रमुख रोकाय

पहुरा समाचारदाता

अत्तरिया, ५ जेठ । कैलाली जिल्ला गोदावरी नगरपालिकाका नगर उपप्रमुख शारदादेवी रोकाय द्वन्द्वपीडितके लाग बजेट विनियोजन गर्ने प्रतिवद्धता जनाउनु भएको छ ।

मानव अधिकारका लागि महिला एकल महिला समूह सुदूरपश्चिम प्रदेश धनगढीके आयोजना तथा कुर्वे विष्ट्रोके सहयोगमे सोम्मार गोदावरी नगरपालिकामे महिला शान्ति र सुरक्षा सम्बन्धी संयूक्त राष्ट्रसंघ सुरक्षा परिषद प्रस्ताव नम्बर १३२५ ओ १८२० सम्बन्धी दोस्रो राष्ट्रिय कार्ययोजना कार्यान्वयन उपसमितिके पदाधिकारीसँग संक्रमणकालिन न्यायके बर्तमान अवस्था ओ सवाल विषयक छलफल कार्यक्रममे नगर उपप्रमुख रोकाय बजेट विनियोजन कैना प्रतिवद्धता जनाइट रहिट ।

उहाँ कहली, 'गोदावरी नगरपालिकामे फे महिला शान्ति ओ सुरक्षा सम्बन्धी संयूक्त राष्ट्रसंघ सुरक्षा परिषद प्रस्ताव नम्बर १३२५ ओ १८२० सम्बन्धी दुसरा राष्ट्रिय कार्ययोजना कार्यान्वयन उपसमितिके गठन हुइल बा । उपसमितिकाके संयोजकमे मै अपनही बटु । गोदावरीमेफे ढेर द्वन्दपीडित बटै ओइनहे आयआर्जनसँग जोरना जरुरी बा । नगरपालिकासे ल्यन्ना नीति तथा कार्यक्रममे समेटटी अइना आर्थिक बर्षके लाग बजेटफे विनियोजन कैजाई ।

छलफल कार्यक्रममे द्वन्द्वपीडितहुक्रे एक ओर न्यायसे बञ्चित हुइल अवस्थामे आपन बालबालिकाफे शिक्षासे बञ्चित हुइटी रहल बटैले बटै ।

द्वन्द्वपीडित बसन्ती जोशी अपन जीवन यसोतसो अभावमे हुइलेसेफे कटजैना हुइलेसेफे छावाछाई उच्च शिक्षासे बञ्चित हुइटी रहल बटैली । उहाँ कहली, मोर गोसियाके हत्या हुइलपाछे राहातके नाउमे डेहल रुप्यासे छाराछाईहे माध्यमिक तहसमफे पह्राई नैपुसगल । घरमे कमुइया मनै नैहुइलपाछे डेहल रुप्या कहाँसम चली । उहे पैसासे छावाछाई पढाई पर्ना, उहे पैंसासे घरखर्च चलाईपर्ना अवस्था आइल । अब्बे कुछ नैहो ।

उहाँ कहली, छावा कानून विषय लेके काठमाडौं पढे गैल बा । पैसाके जोहो कहाँसे कैना अपन मेहनत मजदुरीके कामले पढाई खर्च जुटाई सेक्ना अवस्था नैहो ।

स्थानीय तहसे आयमुलक सीपमुलक कार्यक्रममे सहभागी कराइल हुइलेसे छावा छाईके पढाई खर्च ओ दैनिक जीवनयापनमे सहजुल हुइना रहे, द्वन्द्वपीडित जोशी कहली । ओस्टेक करके गोदावरी नगरपालिका–८ के द्वन्द्वपीडित अस्मिता पुनमगर फे आर्थिक अभावके कारण आपन छावाछाईक शिक्षामे बाधा पुगल बटैठी ।

आर्थिक अभावके कारण छावा पढटी पढटी विद्यालय छोरल, छाई अब्बे पढटी मने आर्थिक अभावसे खर्च जुटैना गाऱ्हो हुइल बा, उहाँ कहली । गाउँमे छोटमोट पसल बा, उहीसे आइल पैसासे जेनटेन घरगुजारा चलल बा । व्यापारमे कबु विक्री बट्टा हुइठ, कबु नैहुइठ । छोटमोट हुइलेसेफे रोजगारी हुइलेसे पैसा आइठ ओ जीवनयापन कैना सहजुल हुइट । द्वन्द्वपीडत परिवार अलपत्र परटै, हम्रहिनहे जीवन जीना आधार चाहल बा ।

नगरपालिकाका प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत धर्मराज विनाडी द्वन्द्वपीडतके अवस्था नाजुक रहल ओरसे आयमुलक सीपमुलक कार्यक्रमसे जोरेपर्ना बटैलै ।

कार्यक्रममे अधिवक्ता पुष्प विक्रम शाही महिला शान्ति ओ सुरक्षा सम्बन्धी संयूक्त राष्ट्रसंघ सुरक्षा परिषद प्रस्ताव नम्बर १३२५ ओ १८२० सम्बन्धी दुसरा राष्ट्रिय कार्ययोजना कार्यान्वयनबारे प्रस्तुतीकरण तथा सहजीकरण करलै । २०५२ सालसे २०६३ सालसम हुइल शसस्त्र द्वन्द्वमे ढेर जाने अकालमे ज्यान गुमैया, द्वन्दपीडितके अब्बे विचल्ली बा, कलेसे अभिन ३ हजारसे ढेर बेपत्ता रहल बटै ।

कार्यक्रममे विषयगत शाखाका प्रमुख, महिला तथा बालबालिका शाखाका प्रमुख गोदावरी खत्री, उपसमितिके पदाधिकारी, मानव अधिकारका लागि महिला एकल महिला समूह सुदूरपश्चिम प्रदेश धनगढीके सल्लाहकार गोमा आचार्यलगायतके सहभागिता रहल रहे । कार्यक्रमके संचालन मानव अधिकारका लागि महिला एकल महिला समूह सुदूरपश्चिम प्रदेश धनगढीके कार्यक्रम संयोजक वेद अवस्थी ओ स्वागत मन्तव्य कोषाध्यक्ष मिना भण्डारी करल रहिट । छलफल कार्यक्रमपाछे नगरमे रहल द्वन्द्वपीडितहुकनके तथ्याङ्क संकलन कैना ओ अइना आर्थिक वर्षके लाग बजेट विनियोजन कैना निर्णयफे हुइल बा ।

अइना आर्थिक वर्षसे चिकित्सा पढाइ सुरु कैना माग

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ५ जेठ । सहिद दशरथचन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय संघर्ष समितिसे कैलालीके गेटास्थित नेपालके पहिल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालयमे अइना आर्थिक वर्षसे चिकित्सा पढाइ सुरु कैना माग करले बा ।

सहिद दशरथचन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक प्रतिनिधि सभासे अँटवार पारित हुइलपाछे समितिसे खुशी व्यक्त करटी चिकित्सा पढाइ हाली सञ्चालन कैना माग करल हो । समितिसे सरकार, प्रतिनिधि सभा, सांसद् ओ सक्कु पहलकर्ताहि धन्यवाद डेहल बा ।

यकर लाग विगत वर्षसे संघर्ष करटी आइल समितिसे विधेयक पारितसे थोर हुइलेसेफे नेपालके पहिल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालयसे मूर्त रुप पाइल पत्रकार सम्मेलन करके जनाइल बा । संघर्ष समितिके संयोजक लोकराज पाण्डेय (आगो) विधेयक पारित हुइना भारी सफलता रहल बटैलै । उहाँ विश्वविद्यालय पूर्ण रुपमे सञ्चालनमे नैआइटसम समितिके आन्दोलन नैरोक्ना उल्लेख करटी ऐनमे टेक्के अइना आर्थिक वर्षसे चिकित्सा पढाइ ओ ६०० शैय्याके अस्पताल सञ्चालन कैना सरकारसंग माग करलै । यकरलाग समितिसे अइना आर्थिक वर्षमे कम्तीमे चार अर्बसम बजेट छुट्यइना संघीय सरकारहे आग्रह करल बा ।

बनल संरचनाहे कौनोफे हालतमे बर्बाद हुइ नैडेना संघर्ष समितिके जिकिर बा । तीन वर्षमे १३६ ठो आन्दोलन पश्चात यी उपलब्धि हात लागल जनाइल बा ।

आर्थिक वर्ष २०६६/६७ मे सरकारसे गेटा मेडिकल कलेज बनैना घोषणा करके भौतिक संरचना निर्माणके काम आघे बढाइल रहे । डेढ दशकके अवधिमे टमान आरोह अवरोधके बिच नेपालके पहिल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय बनल बा ।

पूर्व सांसद् डा. दीपकप्रसाद भट्ट विधेयक पारित हुसेकल *(बाँकी ३ पेजमे)*

जानकीसे सिकलसेल बिरामीके नि:शुल्क बीमा

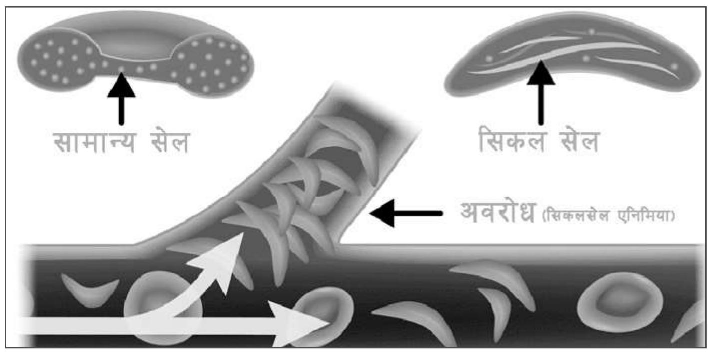

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ५ जेठ । कैलालीके जानकी गाउँपालिकासे सिकलसेल बिरामीके घरपरिवारके नि:शुल्क स्वास्थ्य बीमा कैडेना हुइल बावै ।

गाउँपालिकासे सार्वजनिक सूचना जारी कैके सिकलसेल रोग रहल व्यक्तिहे निवेदन पेश कैना माग करले बावै ।

सार्वजनिक सूचना अनुसार इहे जेठ १८ गते भित्रे निवेदन पेश कैना कहल बावै । नि:शुल्क स्वास्थ्य बीमाके लाग गाउँपालिकामे स्थायी बसोबास हुइ पर्ना बटाइल बावै ।

गाउँपालिकासे यकर साथे प्रमाण खुल्ना कागजात वा रोग प्रमाणित रहल प्रयोशगाला रिपोर्ट, वडा कार्यालयके सिफारिस, चिकित्सकके प्रमाणित कागजात ओ नागरिकता, राष्ट्रिय परिचय पत्र, जन्मदर्ता समेत निवेदन साथ संलग्न हुइ पर्ना सूचनामे उल्लेख करल बावै ।

गाउँपालिकाके प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत आशिष चौधरी एक जनहनके बीमासे थप चारजनहनके *(बाँकी २ पेजमे)*

धनगढी उप-महानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय
धनगढी, कैलाली, सुदूरपश्चिम प्रदेश

दररेट पेश गर्ने सम्बन्धी सूचना

प्रकाशित मिति: २०८२/०२/०६

यस धनगढी उप–महानगरपालिका नगर कार्यपालिकाको कार्यालय धनगढी, कैलालीको आ.व. २०८१/०८२ अन्तर्गत Procurement for the Supply and Delivery of Iron Tab सम्बन्धी कार्यको लागि BOQ भरि आवश्यक कागजात सहित सात (७) दिनभित्र कार्यालय समयमा पेश गर्न हुन सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ । उक्त कार्यको लागि आवश्यक BOQ, Specification तथा आवश्यक पर्ने कागजात सम्बन्धी विस्तृत विवरण यस कार्यालयको वेबसाइट http://www.dhangadhimun.gov.np बाट डाउनलोड गरी हेर्न सकिनेछ ।

प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
कानूनी सल्लाहकार : **अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

हरित अर्थतन्त्रओर रूपान्तरण

विचार

✍ जुनारबाबु बस्नेत

पृथ्वीके अनुकूल पर्यावरणसे जीवन सम्भव हुइल हो । लम्मा समयसे अनेक अन्वेषण हुइलेसे फेन पृथ्वीके जैसिन अन्य ग्रह तथा आकासीय पिण्डमे जीवके अस्तित्व फेला परे सेकल नैहो । पृथ्वीके अनुकूल पर्यावरण एक चो विकास हुइल नैहो । करोडौं वर्षके विकासक्रमसे पृथ्वीके पर्याचक्रके मौजुदा अवस्थामे आइटसम वैज्ञानिक अन्वेषण पाजाइठ । पृथ्वीके यी अनकूल पर्याचक्र अब्बे भर भारी संकटमे परल बा । पृथ्वीके तापमान निरन्तर बह्रे लागल बा । औद्योगिक क्रान्तिपाछेक यी एक डेढ शताब्दीमे पृथ्वीके तापमान निरन्तर बह्रल हो । तापमान बह्रनाके कारण हिमालके हिउँ पग्लना क्रम बह्रल बा । पृथ्वीके ध्रुवीय क्षेत्रमे हिउँ पग्ले लागल जोखिम दशकौंसे वैज्ञानिक कटि आइल बटैं । यहोरके तीन दशक हाराहारीमे किल संसारसे पृथ्वीके तापमान बह्रल प्रति कान बतास लगाइ लागल हो । खास कैके सन् १९९० के दशकमे ब्राजिलके रियोमे सम्पन्न पृथ्वी शिखर सम्मेलनसे संसारहे पृथ्वीके तापमान बह्रल प्रति औपचारिक अनुभूति करा सेकल । विश्व संस्थासे निरन्तर प्रयासके फलस्वरूप वार्षिक रूपमे जलवायु सम्मेलन हुइ लागल । पेरिस सम्झौता सम्भव हुइल । तथापि टमान प्रयास कामसे बाटमे ढेर सीमित हुइटिरहल सन्दर्भमे नेपाल सगरमाथा संवाद आयोजना कैके संसारहे जलवायु संकट ओ निराकरणप्रति नयाँ सन्देश डेना सार्थक प्रयास करल बा ।

जेठ २ से ४ गतेसम (२०८२) काठमाडौँमे सम्पन्न सगरमाथा संवादमे नेपालके हिमालय क्षेत्रमे जलवायु परिवर्तनसे पारल असर ओ हानिनोक्सानीबारे संसारसे लग्गेसे जानकारी पैना अवसर पाइल । सोलुखुम्बुके पर्यटकीय गाउँ थामेमे आइल बाढ रहे वा २०८१ असोज १० गतेसे तीन दिन अविरल आइल मुसलधारे वर्षासे काठमाडौं ओ वरपर पारल डुबान, पहिर ओ बाढके क्षति, सब जलवायु परिवर्तनके जोखिमके संस्करण हो । तीन दिनके बाढसे काठमाडौं वरपर ४६ अर्ब रुपियाँ बराबरके क्षति हुइल । जलवायु परिवर्तनके निम्ति नेपालके योगदान अति नगन्य अर्थात् ०.०२७ प्रतिशत किल रलेसे फेन क्षति नेटो काटे लागल बा । काठमाडौँमे सगरमाथा संवाद चललबेला देशके कुछ भागमे हावा, हुरी ओ मुसलाधारे वर्षासे भारी क्षति करे लागल बा । जेठ सुरुमे अइसिन क्षति करना मेरिक मौसम विगतमे नैरहे । नेपालमे किल नैहोके, अप्रत्याशित आँधी कौन ठाउँमे कहिया आइ ? कना अनुमानसे बाहिरके विषय हुइल बा । मौसमविद्के लाग समेत अध्ययन अन्वेषण चुनौती बने लागल बा ।

नेपाल जैसिन गरिब ओ छोट देश जलवायु परिवर्तनसँग जुध्न कठिन हुइल बा । स्रोतसाधनके अभाव अति न्यून बा । जलवायु जोखिम अइनामे नेपाल जैसिन मुलुकके कौनो कमीकमजोरी नैहो । पृथ्वी टटैना मेरिक कार्बन उत्सर्जनमे अइसिन मुलुकके कौनो भूमिका नैहो । औद्योगिक क्रान्तिपाछे विश्वके सीमित मुलुकसे प्राकृतिक स्रोतके अति दोहन करे लागल । खास कैके विगत एक डेढ सय वर्षमे जीवाश्म इन्धनके अति दोहन हुइ लागल । सवारीसाधन, उद्योग, कलकारखाना तथा आधुनिक विकासके अवयवसे कार्बन उत्सर्न तीव्र हुइसँगै पृथ्वी टट्ना हुइल । यिहिनसे पृथ्वीके पर्याचक्रमा गम्भीर प्रतिकूल असर परे लागल । नेपाल जैसिन मुलुक भूभागके ४६ प्रतिशत वनक्षेत्र संरक्षण रलेसे फेन जलवायु संकटसे भर तीव्रत्तर प्रभावित हुइ परल बा । प्रभावित मुलुकहे क्षतिपूर्ति डेना मेरिक अर्थतन्त्र विकासके मार्गचित्र तय हुइलेसे फेन अभिनसम सार्थक उपलब्धि हुइ नैसेकल बेला सगरमाथा संवादसे संसारहे ब्युँझैना प्रयास करल बा ।

विज्ञहुक्रे विकासशील तथा छोट ओ गरिब राष्ट्रमे जलवायु परिवर्तनसे हुइना हानिनोक्सानीके क्षतिपूर्ति प्राप्त करना प्रक्रियाहे सहज बनाइपरना धारणा ढरले बटैं । जलवायु जोखिमसे क्षति बेहोरटिरहल मुलुक अर्थतन्त्रमे सघैना विषय पेचिलो बनल बेला यी विमर्श हुइल बा । नोक्सानी सम्बोधन कोषके कार्यकारी निर्देशक इब्राइम शेख डिओङ सगरमाथा संवादमे कहल विषयप्रति सबके गम्भीर ध्यानाकर्षण हुइल हो । उहाँ जलवायु परिवर्तनविरुद्ध लरना विश्वव्यापी सहकार्य ओ समन्वय तथा समर्थनके खाँचो रहल बटैलैं । जलवायु परिवर्तनविरुद्धके प्रतिकार्य ओ दिगोपनाके लाग प्रभावित देश ओ नागरिक समाजबिच अभिन एकताके खाँचो उहाँ औंल्यइलैं । संयुक्त राष्ट्रसंघ विकास कार्यक्रमके जोखिम व्यवस्थापन विज्ञ राजेश शर्माके कहाइ फेन महत्वपूर्ण बा । उहाँक अनुसार जलवायु परिवर्तनके कारणसे हुइना गैरआर्थिक हानिनोक्सानीके लेखाजोखा धेर महत्वपूर्ण बा ।

आर्थिक हानिनोक्सानी जस्टे स्पष्ट नैडेखैना ओ नापतौल करे नैसेक्ना हुइलेसे यकर हानिनोक्सानीके लाग छुट्टे विधि ओ प्रक्रिया आवश्यक रहल बटाइबेर ओइसिन विधिविधान बाटमे किल सीमित हुइटा । जलवायु संकट क्षति भर गहिर घाउ हुइटि बा । आब बाटसे काम करना बेला आइल बा । यम्ने कुछ आशा फेन जागल बा । प्राप्त जानकारीहे आधार मन्लेसे गैरआर्थिक हानिनोक्सानीके लेखाजोखा करना विधि आगामी वर्ष २०२६ सममे तयार हुइ । ओइसिन कोष प्राप्तिके निम्ति फेन नेपाल जस्टे मुलुक आन्तरिक रूपमे गहन गृहकार्य करना आवश्यक बा ।

सगरमाथा संवादके छलफलमे विज्ञहुक्रे नेपाल जैसिन पहाडी देशसे मौसमजन्य विपत्के विकराल असर भोगे परल बारेमे गहन चिन्ता प्रकट करलैं । बाढ, पहिरो, हिमताल विस्फोट, तातोलहर जैसिन घटनाके प्रतिकार्यमे सरकार कमजोर हुइ लागल बा । स्रोतसाधनसँगे प्रविधि तथा व्यवस्थापनके अभावसे फेन नेपाल जैसिन मुलुक गम्भीर संकटओर अग्रसर बा । जलवायु परिवर्तनके असर न्यूनीकरण करना आब संसारसँग हरित अर्थतन्त्रके अवधारणाके विकल्प नैहो । जीवाश्म इन्धनके विकल्पमे स्वच्छ ऊर्जाके प्रयोग आगे बह्रैना अर्थतन्त्रके रूपान्तरण पहिल आवश्यकता हो । संयुक्त राज्य अमेरिका पेरिस सम्झौतासे अलग हुइल बा । पृथ्वीके भित्री भूभागसे अभिन फेन कच्चा इन्धन निकरना होडबाजी तीव्र मुनाफाके निमित्त अग्रसर बा । अइसिन भारी विडम्बनाके बिच नेपाल आयोजना करल सगरमाथा संवादसे हिमाली मुलुकहे समुद्रतटीय मुलुकसँग जोरके हरित अर्थतन्त्र निर्माणके नयाँ युगमे रूपान्तरणके शंखघोष करल बा । यी इतिहास निर्माणके आधारशिला फेन हो ।

हरित अर्थतन्त्रके निम्ति नेपालके अपार सम्भावना बा । नेपालसँग जलविद्युत्के व्यापक सम्भावना रलेसे फेन हालसम साढे तीन हजार मेगावाटसे ढेर विद्युत् उत्पादन सम्भव हुइल नैहो । आगामी दस वर्षमे २८ हजार पाँच सय मेगावाट विद्युत् उत्पादन करना महत्वाकांक्षी लक्ष्य रहल बा । यी असम्भव लक्ष्य नैहो । अब्बे निर्माणाधीन, अध्ययन हुइल सब जलविद्युत् आयोजनाके लेखाजोखा करना हो कलेसे नेपालके निजी क्षेत्र फेन विद्युत् उत्पादन करे सेकि । पुँजीके अभाव भर व्यापक डेखाइल बा । कुलमे २५ हजार मेगावाट जत्रा जलविद्युत् निर्माणके लाग ६० खर्ब रुपियाँके लगानी आवश्यक बा । जलविद्युत् आयोजनाके साथे प्रसारण लाइनलगायतमे पूर्वाधार व्यापक बनैना फेन स्रोतसाधनके तीव्र अभाव बा । यम्ने बाह्य लगानी ओ साझेदारी आवश्यक बा ।

हरित अर्थतन्त्र निर्माणके करना अइसिन अनुरूपके नीति, योजना ओ कार्यक्रम आवश्यक बा । हरित अर्थतन्त्र स्वच्छ ऊर्जाके आधारमे करना आर्थिक तथा सामाजिक विकासमे किल सम्भव बा । जलवायु परिवर्तनके असर न्यूनीकरण करटि आगामी २५ वर्षमे शून्य कार्बन उत्सर्जनके लक्ष्य हासिल करना विश्वके प्रयास वाञ्छनीय बा । मौजुदा जीवाश्म इन्धनमे आधारित अर्थतन्त्रहे हरित अर्थतन्त्रमे रूपान्तरण करटि लैजाइ सेक्लेसे किल वास्तविक रूपमे दिगो विकासके आधार सिर्जना हुइ । तीव्र समृद्धिके लाग मनै विगतमे करल प्राकृतिक दोहन पृथ्वीके पर्यासन्तुलन बिगार्न अपराध सरह हुइल रहे । ओइसिन कार्यहे सुधार करटि मनैन्सँग सक्कु जीवके भविष्य सुरक्षित बनैना फेन हरित अर्थतन्त्रके विकल्प आब नैहो ।

विश्व अभिन फेन परम्परागत विकासके होडमे बा, यी विडम्बना हो । सबसे ढेर कार्बन उत्सर्जन करना देशमे विकसित मुलुक अग्रसर बा । विश्वभर सबसे ढेर कार्बन उत्सर्जन करना चीन, ओकरपाछे अमेरिका ओ तेसरमे भारत अइठैं । दुई मुलुक टे नेपालके छिमेकी मुलुक हो । पाछेक तथ्यांक अनुसार चीन वार्षिक ११,९०३ मिलियन टन कार्बनडाइअक्साइड ग्यास उत्सर्जन करठ । यम्ने चीन एक्केलिके स्थान झन्डे ३३ प्रतिशत बा । यी भारी अंश हो । अस्टेक विश्वमे दोसर ढेर कार्बन उत्र्सजन करना मुलुक अमेरिका हो । अमेरिका वार्षिक ४,९११ मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन करठ । पेरिस सम्झौतासे हात झिकके अमेरिका फेन जैविक इन्धन अन्वेषण ओ उत्पादनमे जोड डेहटा । विश्व कार्बन उत्सर्जनके १२ प्रतिशत मौजुदा अंश रहल अमेरिकामे थप कार्बन उत्सर्जनओर अग्रसर डेखाइठ । कार्बन उत्सर्न करना तेसर भारी मुलुक भारत हो । भारत विश्व कार्बन उत्सर्जनमे ७.६ प्रतिशतके हिस्सा ओगट्ठ । भारत विश्वके पाँचौं भारी अर्थतन्त्र हुइल मुलुकसमेत हुइल परिवेशमे नेपालसँग मिलके स्वच्छ ऊर्जाके दिशामे अग्रसर होके हरित अर्थतन्त्र निर्माणमे लैजाइपरना डेखाइल बा । *(बाँकी ३ पेजमे)*

> विश्वमे हरित अर्थतन्त्र निर्माणमे अनेक अवरोध बा । उ अवरोध चिरटि कत्रा मुलुक हरित अर्थतन्त्रके दिशामे अग्रसर हुइटि बा । जापान, दक्षिण कोरियाके साथे नर्वे, स्विडेन जैसिन युरोपेली मुलुक हरित अर्थतन्त्र निर्माणमे अग्रसर बा । हरित अर्थतन्त्रसे वस्तु ओ सेवाके उत्पादन ओ कारोबारके क्रममे वातावरणके चरम विनाश नैकरठ । वातावरणमैत्री अर्थतन्त्रसे भावी पुस्ताके लाग पृथ्वी सुरक्षित हुइ । हरित अर्थतन्त्रमे रूपान्तरण कैके जीवाश्म इन्धनके निर्भरता न्यूनीकरण करटि जल, वायु ओ सौर्य ऊर्जा स्रोतके अधिकतम उपयोग करे परठ । नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादनसे हरित अर्थतन्त्र निर्माणके मार्गचित्र सुस्पष्ट परल बा । नवीकरणीय ऊर्जा जैविक इन्धनके प्रभावकारी विकल्प किल नैहो, हरित अर्थतन्त्रओरके रूपान्तरणकारी इन्जिन फेन हो । सगरमाथा संवादसे हरित अर्थतन्त्रओर विश्वहे अग्रसर करैना गहन विमर्श करल बा । नेपालके यी प्रयासमे बाह्य हातेमालोसहितके संस्थागत आकार ग्रहण करैटि जैना आवश्यक डेखाइठ ।

धनगढीके आठ स्थानमे 'फायर हाइड्रेन्ट'

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ५ जेठ । आगलागीजन्य विपद्के समयमे तत्काल पानी प्राप्त कैके प्रतिकार्य कैना उद्देश्यसे यहाँके धनगढी उपमहानगरपालिकासे नगर क्षेत्रके आठ स्थानमे 'फायर हाइड्रेन्ट' जडान करल बावै ।

नगरप्रमुख गोपाल हमाल आगलागीसे हुइना क्षति न्यूनीकरणके लाग हाल टमान आठ स्थानमे 'फायर हाइड्रेन्ट' जडान करल बटैलै । ओहकान अनुसार धनगढी चौराहा, भौतिक पूर्वाधार विकास मन्त्रालय, भेटेरिनरी अस्पताल, जिल्ला प्रशासन, नेपाल राष्ट्र बैक्त अगाडि, सहिद गेट, बुद्धचोक ओ शिवनगर सहित आठ स्थानमे फायर हाइड्रेन्ट जडान करल हो ।

'हाल आगलागी हुइलेसे दमकलसे आगी बुटाइ जाइ पर्ना मने पानी भरक लाग पुनः नगरपालिकाके कार्यालयमे आइ पर्ना जौन बाध्यता रहे उ बाध्यताहे अन्त्य करक लाग फायर हाइड्रेन्ट जडान करल हो । इहीसे तत्तत् क्षेत्रमे आगलागीके घटना हुइलमे दमकलहे पानी भरके आगी बुटैना सहज हुइना बावै', नगरप्रमुख हमाल कहलै, 'यदि फायर हाइड्रेन्ट लग्गे आगलागी हुइलमे ओम्ने जेटपम्प लगाके आगी बुटाइ सेकजैना बावै । जिहीसे क्षति न्यूनीकरणमे ढेर सहयोग पुग्ना बावै ।' उपमहागरसे नगर क्षेत्रके १९ वडामे थप फायर हाइड्रेन्ट जडान कैना योजना बनैटी रहल जनाइल बावै ।

जानकीसे सिकलसेल...

एक बरसमे एक लाख रुपैयाँ बराबरके उपचार करे मिल्ना बटैलै । उहाँ स्वास्थ्य बीमा करल बापत लग्ना रकम सिकलसेल बिरामीके हकमे गाउँपालिकासे भुक्तानी कैडेना जानकारी डेलै ।

उ सूचनामे सक्कु वडा कार्यालयहे सिफारिस कैडेना ओ स्वास्थ्य संस्थाहे समन्वयके लाग पहल कैना कहल बावै ।

गाउँपालिकामे २६ जाने सिकलसेल रोगके बिरामी बटै । यी संख्या बह्रे सेक्ना गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखा प्रमुख जीतबहादुर चौधरी जानकारी डेलै । उहाँ स्वास्थ्य बीमाके सहयोग मार्फत थप बिरामीके पहिचानके पहल हुइटी रहल बटैलै ।

सिकलसेल अब्बेसम थारु समुदायके व्यक्तिनमे किल डेखल रोग हो । यी पश्चिम नेपालके कैलाली ओ कञ्चनपुरके ढेर व्यक्तिनमे डेखगैल बावै । सरकारसे सिकलसेल रोग रहल बिरामीनके लाग उपचार सुविधा प्रदान कैटी आइल बावै । बिरामीहुक्रे सरकारसे प्रदान कैटी आइल सुविधा प्रयाप्त नैहुइल गुनासो कैटी आइल बटै ।

छिमेकी समूहका उपभोक्ताहरूका लागि काठ/दाउरा बिक्री सम्बन्धी १० दिने सूचना

(पहुरा दैनिक पत्रिकामा प्रथम पटक प्रकाशन मिति २०८२/०२/०६ गते)
यस सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको वन क्षेत्रबाट डि.व.का. पहलमानपुर को च.नं. २००७ मिति २०८१/१२/२७ गतेको संकलन सहमति अनुसार स्वीकृत वन कार्ययोजना बमोजिमको ढलापडा सुखाखडा रूखहरू कटान तथा संकलन गरी समूहको कम्पाउण्डमा घाटगद्दी भएको काठ र दाउरा मध्ये यो सूचना पहुरा दैनिक पत्रिकामा प्रथम पटक प्रकाशित भएको मितिले १० दिनभित्र यस समूह क्षेत्र बाहिर काठ उत्पादन नहुने छिमेकी उपभोक्ता समूहमा, सामुदायिक वन भएका वा नभएका मोहन्याल गाउँपालिकामा रहेका उपभोक्ताको घरायसी प्रयोजनका लागि आवश्यक भएमा आवश्यक प्रजाती, परिमाण र प्रयोजन समेत खुलाइ यस सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको कार्यालयमा रितपूर्वक निवेदन पेश गर्न हुन सम्बन्धित सबैको जानकारीका लागि यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ ।

श्री बण्डाली सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह
मोहन्याल गा.पा. -७, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ६ मटियारी कित्ता नं. ४३० क्षेत्रफल २२२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री विरबहादुर विकले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पुर्वः पदम रावत — पश्चिमः सुजना श्रेष्ठ जोशी
उत्तरः सुजना श्रेष्ठ जोशी — दक्षिणः सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:
हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एम्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैंक
नेपाल राष्ट्र बैंक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैंक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैंक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैंक०९१-५२३७३८
बैंक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैंक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बङ्लादेश बैंक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैंक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैंक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैंक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैंक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५२३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्‌मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिभोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरुण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

तथ्यांकमे घट्लेसे फेन उपभोक्ता महँगीमे

काठमाडौँ, ५ जेठ । चालु आर्थिक वर्ष २०८१–८२ के चैतमे सेवा ओ वस्तुके महँगी घटल तथ्य सार्वजनिक हुइल बा । नेपाल राष्ट्र बैंकसे सार्वजनिक करल प्रतिवेदन अनुसार गैल आव २०८०–८१ के चैतके तुलनामे चालु आवके चैतमे वस्तु ओ सेवाके मूल्य घटल हो ।

केन्द्रीय बैंकके प्रतिवेदन अनुसार गैल आवके चैतमे ४.६४ प्रतिशत रहल महँगी चालु आवके चैतमे घटके ३.३९ प्रतिशतमे सीमित बा । खाद्य तथा पेय पदार्थके महँगी फेन गैल वर्षके चैतके तुलनामे घटल बा । गैल आवके चैतमे ५.२१ प्रतिशत रहल महँगी चालु आवके चैतमे २.४५ प्रतिशतमे सीमित रहल डेखाइल बा ।

केन्द्रीय बैंकके तथ्यांकमे बजार महँगी घटल डेखैलेसे आमउपभोक्ता भर बजार भाउ घटल अनुभूति करे पैले नैहो, बरु हरेक वर्षके महँगीके मारमे बा । हुइना टे नेपाल खुद्रा व्यापार संघके अनुसार गैल एक वर्षके बिचमे सब जैसिन उपभोग्य वस्तुके भाउ औसतमे २० प्रतिशत महँगा हुइल बा । संघके वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश शाही एक वर्षयहोरके हरेक उपभोग्य वस्तुके मूल्य विश्लेषण कैके हेरलेसे कौनो १० से ५० प्रतिशतसम महँगा हुइलेसे फेन औसतमे २० प्रतिशत महँगा हुइल जानकारी डेलैं ।

उ अवधिमे सबसे ढेर दैनिक उपभोग्य वस्तु चामल, खैनातेलके भाउ उच्च महँगा हुइल उहाँक कहाइ बा । उ अवधिमे गैल वर्ष वैशाखमे प्रतिकेजी ८० रुपियाँमे कारोबार हुइल मोटा चामल अब्बे बढ्के ९५ रुपियाँ पुगल बा । खैनातेल प्रतिलिटर १० से २० रुपियाँसम महँगा हुइल बा । संघके अनुसार उ अवधिमे भटमास ओ सनफ्लावर तेल प्रतिलिटरके १२५ रुपियासे महँगा होके १४५ रुपियाँके बा कलेसे तोरीके तेल प्रतिलिटर तीन सय रुपियाँसे महँगा होके ३३० रुपियाँ पुगल बा ।

हुइना टे राष्ट्र बैंकके तथ्यांक अनुसार भर खाद्य तथा पेयपदार्थ समूह अन्तर्गत मरमसला उपसमूहके वार्षिक विन्दुगत मूल्य सूचकांक ११.६३ प्रतिशत, तरकारीके ९.०७ प्रतिशत, दाल तथा गेडागुडीके ६.५८ प्रतिशत ओ गैरमदिराजन्य पेयपदार्थके ५.१६ प्रतिशत बढ्हल बा । गैरखाद्य तथा सेवा समूह अन्तर्गत विविध वस्तु तथा सेवा उपसमूहके वार्षिक विन्दुगत उपभोक्ता मूल्य सूचकांक ८.६९ प्रतिशत, कपडाजन्य तथा जुत्ताचप्पलके ७.०१ प्रतिशत, मदिराजन्य पेयपदार्थके ६.०७ प्रतिशत, फर्निसिङ तथा घरायसी उपकरणके ५.५९ प्रतिशत ओ सुर्तीजन्य पदार्थके ४.८३ प्रतिशत बढ्हल बा ।

१०.९४ प्रतिशत, खाद्य तथा खाद्यजन्य पदार्थके ७.५९ प्रतिशत ओ गैरमदिराजन्य पेयपदार्थके ६.०६ प्रतिशत बढ्हल बा कलेसे घिउ तथा तेल उपसमूहके वार्षिक बिन्दुगत मूल्य सूचकांक १०.१० प्रतिशत घटल बा ।

उपभोक्ता अधिकार तथा अनुसन्धान मञ्चके अध्यक्ष माधव तिम्लिसेना राष्ट्र बैंकके महँगीके तथ्यांक ओ उपभोक्तासे किन्ना भाउमे तालमेल नैरहलल बटैलैं । पाछेक चो दैनिक उपभोग्य अधिकांश वस्तुके भाउ महँगा हुइल बेलामे राष्ट्र बैंकसे गैल वर्षके चैतके तुलनामे यी चैतमे महँगी घटल कना तथ्यांकमे पुष्टि हुइपरना उहाँक कहाइ बा । उहाँक बजारके अध्ययन करना हो कलेसे उपभोग्य वस्तु, चामल, दलहन, मसला, तरकारी, माछामासु, भाँडाकुँडालगायत सबके भाउ महँगा हुइल बा ।

राष्ट्र बैंक बजारभाउ ओ राष्ट्र बैंकके तथ्यांकमे फरक हुइना स्वीकार करले बा । उ बैंकके अनुसार राष्ट्र बैंकसे उपभोक्तासँग सम्बन्धित करिब पाँच सय वस्तु ओ सेवाहे एक डालोमे ढैके विश्लेषण कैके सार्वजनिक हुइना तथ्यांकमे बजार भाउसँग नैमिल्ना स्वाभाविक कटि आइल बा ।

निश्चित तोकल क्षेत्रसे वस्तु ओ सेवाहे लेके सबहे एक ठाउँमे संकलन कैके बजार भाउ विश्लेषण कैके औसतमे तथ्यांक निकरना करल बैंक जनैले बा ।

हिमताल फुटलपाछे तिल गाउँ जोखिममे

हुम्ला, ५ जेठ । तिल गाउँमे हिमताल फुटके बाढ आइल पुष्टि हुइल बा । बाढ पहिरोपाछे अध्ययनके लाग पुगल टोली हिमताल फुटल फेला पारल नाम्खा गाउँपालिका–६ के वडा सदस्य तेम्बा तुण्डुप लामा बटैलैं ।

उहाँ अप्नेसहित ४ जहनके टोली ४७ सय मिटरसे उप्परके स्थानसम पुगके हिमताल फुटल फेला पारल बटैलैं । नाम्खा गाउँपालिका–६ के तिल गाउँ ओ कञ्जुम गुम्बाके बिच होके बहना सेखाङलुग्वा खोलामे जेठ १ गते बिफेक रात पानी नैपरके एक्फाले बाढ आइल रहे । उ बाढ लगते जोखिममे परल १८ घरपरिवारके ३२ जहनहे रातके सुरक्षित स्थानमे सारल रहे । उहाँहुक्रे अभिन फेन त्रिपालमे बैठल बटैं । ओम्ने २१ महिला, ९ जाने पुरुष ओ २ बालक बटैं ।

बिना वर्षा एक्कासी बाढ आके त्रसित होके स्थानीयसे कारण खोज्टि खोलाके उप्पर भेगओर जाँके हिमताल फुटल पत्ता पाइल हो । लेदो सहितके पहिरोके कारण तिल्चुङ खोलामे रहल ५ ठो काठे पुल बहैले बा । स्थानीय छे बुटी लामाके घर चर्कल बा कलेसे सोनाम सांगु लामाके घरके छतमे पहिरोसे क्षति पुगल बा ।

१५ किलोवाट क्षमताके एक जलविद्युतके पावर हाउस बहैले बा कलेसे करिब ४ सय रोपनीमे सिचाइँ होके आइल कुलो समेत बहाइल बा । बाढ पहिरोके कारण उहाँ, आलु लगायतके खेती बहाइल वडा अध्यक्ष पाल्जोर तामाङ बटैलैं । रातके एक्कासी बाढ आके तिल गाउँसे गुम्बा आवतजावत करना डगर अवरोध हुइल बा ।

बाढ पहिरोसे सब तहसनहस बनाइलपाछे स्थानीय चिन्तित बनल बटैं । पहिरोके कारण स्थानीय जोखिम मोलके बैठ्ना किल नैहोके आगामी दिन गास, बास ओ कपासके समेत कठिनाई हुइना स्थानीय गुनासो करले बटैं ।

पहिरोसे पुगाइल क्षतिके थप विवरण संकलन हुइटिरहल हुम्लाके प्रमुख जिल्ला अधिकारी नारायण पाण्डेय बटैलैं ।

हरित अर्थतन्त्रओर...

विश्वमे हरित अर्थतन्त्र निर्माणमे अनेक अवरोध बा । उ अवरोध चिरटि कत्रा मुलुक हरित अर्थतन्त्रके दिशामे अग्रसर हुइटि बा । जापान, दक्षिण कोरियाके साथे नर्वे, स्विडेन जैसिन युरोपेली मुलुक हरित अर्थतन्त्र निर्माणमे अग्रसर बा । हरित अर्थतन्त्रसे वस्तु ओ सेवाके उत्पादन ओ कारोबारके क्रममे वातावरणके चरम विनाश नैकरठ । वातावरणमैत्री अर्थतन्त्रसे भावी पुस्ताके लाग पृथ्वी सुरक्षित हुइ । हरित अर्थतन्त्रमे रूपान्तरण कैके जीवाश्म इन्धनके निर्भरता न्यूनीकरण करटि जल, वायु ओ सौर्य ऊर्जा स्रोतके अधिकतम उपयोग करे परठ । नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादनसे हरित अर्थतन्त्र निर्माणके मार्गचित्र सुस्पष्ट परल बा । नवीकरणीय ऊर्जा जैविक इन्धनके प्रभावकारी विकल्प किल नैहो, हरित अर्थतन्त्रओरके रूपान्तरणकारी इन्जिन फेन हो । सगरमाथा संवादसे हरित अर्थतन्त्रओर विश्वहे अग्रसर करैना गहन विमर्श करल बा । नेपालके यी प्रयासमे बाह्य हातेमालोसहितके संस्थागत आकार ग्रहण करैटि जैना आवश्यक डेखाइठ ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

अन्तर्राष्ट्रिय

गाजामे इजरायली हमलामे बालबालिकासहित ३३ जहनके मृत्यु

काठमाडौं, ५ जेठ । इजरायलसे विस्तारित सैन्य अभियानके घोषणा करल एक दिनपाछे गाजाके नागरिक सुरक्षा एजेन्सी अँट्वारके रोज इजरायली हवाई आक्रमणमे कम्तीमे ३३ जहनके मृत्यु हुइल ओ उमध्ये आधासे ढेर बालबालिका रहल बटैले बा ।

नागरिक सुरक्षा प्रवक्ता महमुद बासल दक्षिणी गाजा पट्टीके अल–मवासीमे विस्थापित प्यालेस्टिनीहे शरण डेना पालमे हुइल बिहानके आक्रमणमे २२ जहनके मृत्यु हुइल ओ कम्तीमे एक सय जाने घाहिल हुइल बटैलैं ।

उत्तरी गाजाके जबालियाके एक घरमे हुइल आक्रमणमे सात जहनके मृत्यु हुइल उहाँ जानकारी डेलैं । ओहे क्षेत्रके अल–अवदा अस्पतालमे क्षति हुइल बटाइल बा । बासलके अनुसार अल–जवायदाके केन्द्रीय क्षेत्र ओ दक्षिणमे खान युनिसमे फेन मृत्यु हुइल रेकर्ड करल बा ।

इजरायली सेना शनिच्चरके रोज १९ महिनासे ढेरके युद्धपाछे हमास लडाकूहे परास्त करना गाजाभर अपन अपरेसन तीव्र पारल घोषणा करले बा । इजरायली सहायता नाकाबन्दीके कारण प्यालेस्टिनी क्षेत्रमे मानवीय अवस्था बिग्रलमे बढ्हल अन्तर्राष्ट्रिय चिन्ताके बीचमे यी अभियान आघे बढ्हाइल हो ।

अइना आर्थिक...

अवस्थामे सहिद दशरथचन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय संघर्ष समितिहे आउर रचनात्मक ओ सृजनात्मक हुके काम कैना आग्रह करलै । उहाँ संघर्ष समिति अब सहयोगी समिति बनेपर्ना कहटी थप्लै, "सक्कुहुनके संघर्षले यी विश्वविद्यालय बनल बा । सेती प्रादेशिक अस्पताल, टीकापुर अस्पताल ओ महाकाली अस्पतालहे आंगिक बनाके आब यिहीहे आघे बढाई परी ।"

सहिद दशरथचन्द स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालयके पहिल चरणमे न्यूनतम् भौतिक संरचना बनसेकल रहे । उहे बेला विधेयक पारित हुइलेसे अभिनसम विश्वविद्यालयके काम ढेर आघे बढसेक्ना पूर्वाधार निर्माण समितिके पूर्व अध्यक्ष हेमराज पुजाराके कहाई बा । उहाँ विश्वविद्यालय ल्यन्ना संघर्ष समितिके भारी योगदान रहल चर्चा करलै । ऐन अइटी की सक्कु बाट आइल नैहो कहटी पुजारा आवश्यक जनशक्ति, उपकरण व्यवस्थापन ओ चिकित्सा पढाइ सञ्चालनके लाग पर्याप्त मात्रामे बजेट आवश्यक पर्ना उल्लेख करलै । उहाँ यकरग लाग आवश्यकतानुसार बजेट छुट्याइक लाग पहल कैना सक्कुहुनहे आग्रह करलै ।

कैलाली बहुमुखी क्याम्पसका पूर्व क्याम्पस प्रमुख डा. सुरेन्द्र चन्द संघर्ष समितिके अथक प्रयासमे उपलब्धि हासिल हुइल बटैलै । यिहीहे आघे बढैना सक्कु जाहनके सहयोग आवश्यक रहल उहाँक कहाई रहे ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

सात बरससे अलपत्र दैजी–जोगबुढा सडक

कञ्चनपुर, ५ जेठ । ठेक्का सम्झौता हुइल सातबरससम फेन महेन्द्रनगर ओ डडेल्धुराके भित्रि मधेश जोर्ना दैजी जोगबुढा सडक निमार्ण सम्पन्न हुइ सेकल नैहो ।

विसं २०७४ वैशाख ८ मे तीन बरसभित्रे निर्माण सम्पन्न कैना मेरके नार्गाजुन कन्स्ट्रक्सनसँग रु २१ करोड २६ लाख ५३ हजारमे ठेक्का सम्झौता हुइल रहे । ठेक्का सम्झौता हुइल सात बरसमे नौ किलोमिटर सडक खण्ड किल कालोपत्र हुइल बावै ।

हालसम सडक निमार्णके लाग पाँचचो म्याद थप हुइल बावै । इहे २०८२ असार २० गते निमार्ण सम्पन्न कैना मेरके पाचौंचो म्याद थप करल पूर्वाधार विकास कार्यालय महेन्द्रनगर जनैले बावै ।

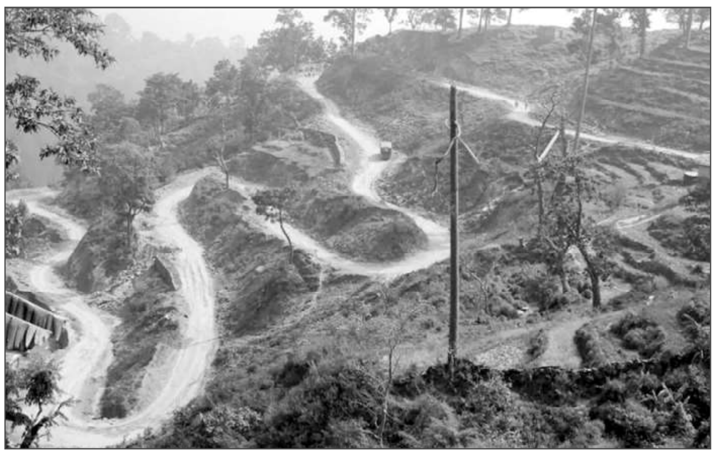

कञ्चनपुरसे डडेल्धुरालगायत सुदूरपश्चिमके पहाडी जिल्ला जैना दूरीके हिसाबसे लग्गे पर्ना उक्त सडक निमार्ण नैहोके यहाँके स्थानीय सास्ती खेपे परल बावै । डडेल्धुराके भित्रिमधेशके स्थानीय धनगढीके अत्तरिया होके घुमाहुर डगरा प्रयोग कैके महेन्द्रनगर आवतजावत करे पर्ना बाध्यता रहल बावै । "यी सडक निमार्ण नैहोके भित्रिमधेशके जनता ढेर समस्या खेपे परल बावै", परशुराम नगरपालिका–९ के वडा अध्यक्ष देवबहादुर बोहरा कहलै, "सडक निमार्ण हुइल रहट कलेसे यहाँ उत्पादन हुइल दाल टिनाटावन महेन्द्रनगर बजार बिक्री कैना सहज हुइट ।"

सडक निर्माणमे सरोकारवाला निकायसे चासो नैडेखाइबर निमार्ण करल 'ड्रेन'समेत भँठे लागल स्थानीय राम धामीके कहाइ रहल बावै । डडेल्धुराके आधा जनसंख्या रहल भित्री मधेसहे कञ्चनपुरसँग जोर्ना यी छोट दुरीके सडक भीमदत्त राजमार्गके विकल्प समेत हो ।

पूर्वाधार विकास कार्यालय कञ्चनपुरके सूचना अधिकारी लक्ष्मणराज जोशी सडक निमार्णके लाग पाचौंचो म्याद थप करल रलेसे फेन सडक निमार्ण सम्पन्न हुइ नैसेकल जानकारी डेलै । उहाँके अनुसार निर्माण व्यवसायीसे रु १८ करोड ३६ लाख रकम भुक्तानी पासेकल बावै ।

कमलबजारमे व्यावसायिक उडान नियमित हुइटी

अछाम, ५ जेठ । अछामके कमलबजार विमान स्थलमे नियमित व्यावसायिक उडान हुइ लागल बावै । निमार्ण कार्य थालनी हुइल ३२ रबसपाछे व्यावसायिक उडान सुरु हुइल हो । अँट्वारके चौथो पटक व्यावसायिक उडान हुइल कमलबजार नगरपालिकाके नगर प्रमुख यज्ञ प्रसाद ढकाल बटैलै ।

चौथो पटक व्यावसायिक उडानमे काठमाडौंसे १५ जाने ओ कमलबजारसे १४ जाने यात्रा करल नगर प्रमुख ढकाल बटैलै । गैल अँठ्वार मौसम खराबीके कारण उडान नैहुइलेसे फेन हप्तामे नियमित उडान हुइना उहाँके कहाइ रहल बावै । वैशाख ७ गतेसे व्यावसायिक उडानके उद्घाटनसहित सुरु हुइल रहे ।

इहेबिच निकट भविष्यमे कमलबजारमे नागरिक उड्डयन प्राधिकरणाके कार्यालय समेत कमलबजारमे स्थापना कैना हुइल बावै । नगर प्रमुख ढकालके अनुसार अब्बे साँफेबगरसे कर्मचारी खटैना रलेसे फेन निकट भविष्यमे कमलबजारमे कार्यालय स्थापना कैके दुई जाने कर्मचारी प्राधिकरणसे खटाजैना मेरके पहल करटी रहल उहाँ बटैलै ।

नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरणके सुरुमे अपने कार्यालय रहल दुई भवन जौन इहीसे आघे प्रहरीके कार्यालय रहल रहे । प्रहरीके कार्यालय अपने नयाँ भवनमे सरलपाछे ओकर मर्मत सम्भार तथा व्यवस्थापन कैके कार्यालय स्थापना करजैना उहाँ बटैलै ।

हालके लाग हप्तामे एक दिन, अँट्वारके किल उडान हुइना सम्झौता अनुसार व्यवसायिक उडान सुरु हुइल कमलबजार नगरपालिकाके नगर प्रमुख ढकाल बटैलै । नियमित उडान हुइबर यी क्षेत्रके नागरिकहे सहजता हुइना हुइल बावै ।

मानसिक स्वास्थ्य स्वावलम्वन समूहसे मुख्यमन्त्रीहे ज्ञापनपत्र

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ५ जेठ । मानसिक स्वास्थ्य तथा मनोसामाजिक नीति, रणनीति ओ कार्ययोजना बनाके आवश्यक बजेटके सुनिश्चिताके लाग मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहहे ज्ञापन पत्र बुझाइल बावै ।

मानसिक स्वास्थ्य स्वावलम्वन समूह जिल्ला सञ्जाल कैलालीसे सोम्मारके रोज मुख्यमन्त्री शाहहे ६ बुँदे ज्ञापनपत्र बुझाइल हो । जिल्ला सञ्जाल कैलालीके अध्यक्ष सालीभान खातीके नेतृत्वमे गैल टोलीसे मानसिक स्वास्थ्य तथा मनोसामाजिक नीति, रणनीति ओ कार्ययोजना बनाके आवश्यक बजेटके सुनिश्चिता सहित मानसिक स्वास्थ्य समस्या रोकथाम ओ न्यूनिकरण करक लाग प्रभावकारी कार्यक्रम बनाके कार्यान्वयन कैना माग करल बावै ।

ओस्टके प्रदेश मातहत रहल जिल्ला अस्पतालमे मानसिक रोग विशेषज्ञ डाक्टरके व्यवस्थापन कैके सबके लाग सरल, सहज ओ नि:शुल्क औषधीके व्यवस्थापन, मानसिक स्वास्थ्य समस्या रहल व्यक्तिहे अपांगता रहल व्यक्तिहुक्रनके अधिकार सम्बन्धि ऐन २०७४ मे व्यवस्था करल बमोजिम मनोसामाजिक अपांगगता परिचयपत्र वितरण प्रक्रियाहे सहज रुपमे उपलब्ध करैना, मानसिक स्वास्त्थ्यसे ग्रसित होके औषधी उपचारसे चोखैटी रहल अतिविपन्न, विपन्न वर्गके व्यक्ति तथा ओइनके आश्रित परिवारके सदस्यहे पुनर्स्थापनाके लाग जीविकोपार्जनमे सहयोग हुइना खालके कार्यक्रम लागु कैना माग करल बावै ।

ओस्टके प्रदेशके सक्कु स्थानीय तहमे नेपाल सरकारससे तयार पारल सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य तथा मनोसामाजिक सहयोग प्याकेज २०७४ बमोजिम कार्यक्रम बनाके लागु कैना ओ सुदूरपश्चिम प्रदेशमे बन्ना प्रदेशसे जारी करल वा तयार करजैना टमान नीति तथा नियमावलीमे समेत मनोसामाजिक अपांगताके विषयहे समेत समावेश कैके हरेक नीति, कानुनमे समावेशी नीति अवधारणाहे अवलम्वन कैटी कार्यन्वयन कैना माग करल बावै ।

ज्ञापनपत्र बुझ्टी मुख्यमन्त्री शाह मानसिक स्वास्थ्य स्वावलम्वन समूहसे राखल मागहे सम्बोधन कैना प्रतिवद्धता जनाइल सीएमसी नेपालके मनोसामाजिक परामर्शकर्ता सुशिला चौधरी बटैली ।

स्तन क्यान्सरका लक्षण

- स्तन वा काखीमुनि नदुख्ने गिर्खा वा गाँठागुठी देखिनु,
- स्तनको छाला लामो समयसम्म निको नहुने खटिरा आउनु,
- स्तनको आकारमा परिवर्तन आउनु,
- स्तनको छाला सुन्तलाको बोक्राजस्तो हुनु,
- स्तनको मुन्टा भित्रतर्फ जानु,
- स्तनको मुन्टाबाट रगत वा पीप बग्नु,
- स्तन दुख्नु वा सुन्निनु आदि ।

यी मध्ये कुनै पनि लक्षण देखिएमा चिकित्सकसँग परामर्श गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

जेठ २१ गतेसे गंगा दशहरा मेला

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ५ जेठ । कैलालीके बेहडा बाबा मन्दिरमे जेठ २१ गतेसे गंगा दशहरा पूजा तथा धार्मिक मेला लग्ना हुइल बावै ।

धनगढी उपमहानगरपालिका–१६ रामपुरमे रहल बेहडा बाबामे हरेक बरस जेठ महिनाके शुक्लपक्ष दशमी तिथिके दिन गंगा दशहरा पूजा तथा धार्मिक मेला लग्टी आइल बावै ।

बेहडा बाबा मन्दिरमे गंगा दशहराके बेला ढेर संख्यामे भारतसे समेत श्रद्धालु दर्शनके लाग पुग्ना करठै । यी बरस जेठ २१ गतेसे २५ गतेसम गंगा दशहरा पूजा तथा धार्मिक मेला लग्ना बटाइल बावै । गंगा दशहरा पूजा तथा धार्मिक मेला सफल रूपमे सञ्चालनके लाग बेहडा बाबा मन्दिर व्यवस्थापन सेवा समिति जुटल बावै । सेवा समितिके सचिव वीरेन्द्र चन्दके संयोजकमे खानेपानी तथा विद्युत व्यवस्थापन समिति गठन करल बावै । ओस्टके मन्दिर व्यवस्थापन समितिके सदस्य कृष्ण चन्द रानाके संयोजकमे मेस व्यवस्थापन समिति गठन करल बावै । मन्दिर व्यवस्थापन समितिके उपाध्यक्ष नरेन्द्र शाहके संयोजकमे मन्दिर पूजा तथा लाइन व्यवस्थापन समिति गठन करल बा ।

धनगढी उपमहानगरपालिका–१६ के अध्यक्ष रामलाल चौधरीके संयोजकमे अनुगमन तथा सुरक्षा व्यवस्थापन समिति गठन करल बावै । मन्दिर व्यवस्थापन समितिके सदस्य रमेशप्रसाद भट्टके संयोजकमे स्वयम् सेवक परिचालन समिति गठन करल बावै । मन्दिर व्यवस्थापन समितिके सदस्य तिलक बहादुर बोहराके संयोजकमे प्रचारप्रसार समिति गठन करल बावै ।

बैठकसे गंगा दशहरा मेला २०८२ हे सभ्य बनाइक लाग चार किल्ला निर्धारण करल बावै । उत्तरमे इमली चोक (रामपुर) दक्षिणमे ब्युसाहा चोक तथा उर्मा जंगल, पूर्वमे कुण्डी टोल (घुरहा नदी) ओ पश्चिममे शिवगंगा लडिया सीमा निर्धारण करल बावै । बैठकसे टोकल चार किल्ला भित्र अस्थायी प्रकृतिके टहरामे माछा, मासु तथा मदिराजन्य पदार्थ विक्रि वितरणमे पूर्ण रुपमे बन्देज लगैना निर्णय करले बावै । निर्णयके उलंघन करल पाइलमे व्यवसायीहे १० हजारसहित सामान जफत ओ मेला क्षेत्रमे मादक पदार्थ तथा लागु औषध सेवन कैके झैझगडा, होहल्ला कैके माहोल बिथोल्ना क्रियाकलाप करुइयाहे ५ हजार जरिवाना टोकल बावै ।

मन्दिर व्यवस्थापन सेवा समितिके अध्यक्ष खेमबहादुर चन्द गंगा दशहरा मेला–२०८२ हे सम्पन्न कैना सक्कु साथ ओ सहयोगके आवश्यकता रहल बटैले बटै ।

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. संजयकुमार गुप्ता
एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)
इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ
एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू
- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिंड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिंड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाइ, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१–५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९